

# FORM No. III

## फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत.....मुकाम.....

बनाम.....

किस्म मुकदमा.....नं. ....

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स अज	अहकाम जे हुकम की तारीख में जारी हुए
22/11/07	<p>वहील इपीलार व वहील सेपो। से उका वहील इपीलार उपाय मापपम गोर डिकी जेपुडा व एक बुकीकरी पत्रपत्र वास्तु निरूप हुकमने हे डिक 23/11/07 कोर</p> <p>(पंकज कुमार औझा) राजस्व अपील प्राधिकारी, बनेटा</p>	
23/11/07	<p>वहील इपीलार व वहील सेपो। से उका येने वहील इपीलार व एक उका पपपि कीरक/पापुडी वास्तु निरूप डिक 24/11/07 कोर</p> <p>(पंकज कुमार औझा) राजस्व अपील प्राधिकारी, बनेटा</p>	
24/11/07	<p>कार्यकी माधिकार केकमक निरूप नरी हुग/पा लाएक पत्रपत्र वास्तु निरूप हुकमने हे/डिक डि/11/07 कोर</p> <p>(पंकज कुमार औझा) राजस्व अपील प्राधिकारी, बनेटा</p>	

देवीशंकर बनाम गुणेशलाल वगै०

संख्या : 17/202

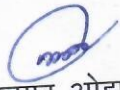
2018

पत्रावली पेश हुई । उभय पक्ष के लायक अधिवक्ता उपस्थित ।

अपीलान्ट के लायक अधिवक्ता ने अपनी बहस में निवेदन किया कि प्रस्तुत प्रकरण में वादग्रस्त आराजी का बेचान किया जा चुका है । प्रस्तुत अपील में एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 01 नियम 10 एवं दूसरा प्रार्थना पत्र नाम डिलिट करने का प्रस्तुत किया है । वादग्रस्त आराजी का बेचान किया जा चुका है । दावा खारिज किया जा चुका है ।

रेस्पोंडेन्ट के लायक अधिवक्ता ने अपनी बहस में कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जो निर्णय एवं डिक्री पारित की गई है उसमें किसी प्रकार की विधिक त्रुटि नहीं की है । अतः अपील अपीलान्ट खारिज फरमाई जावे ।

हमने पत्रावली का अद्योपान्त अवलोकन किया एवं उभय पक्ष के लायक अधिवक्ता की बहस पर मनन किया । प्रस्तुत प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालय ने अन्तर्गत आदेश 07 नियम 11 का प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए वादी का वाद खारिज किया है जिसमें किसी प्रकार की विधिक त्रुटि किया जाना प्रतीत नहीं होता है । हम अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय से सहमत हैं और उसमें किसी प्रकार का हस्तक्षेप किया जाना न्यायहित में उचित नहीं समझते हैं । अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपील अपीलान्ट खारिज की जाती है । अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक 02.02.2017 बहाल रखा जाता है ।

  
(पंकज कुमार ओझा)  
राजस्व अपील प्राधिकारी, कोटा